इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No. **65/OS/1**
कोड नं.

Set / सेट **A**

हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators 1. ....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ....

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
5. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा।
6. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/OS/1, सेट A लिखें।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

हिन्दी
(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×5=5

(क) कबीरदास के अनुसार आलोचकों से

(A) मित्रता बढ़ती है (B) अपने अवगुण का ज्ञान होता है

(C) अच्छाइयों का पता चलता है (D) शत्रुता हो जाती है

(ख) 'आह्वान' कविता में जीवन में सफलता पाने के लिए किसे आवश्यक माना गया है?

(A) स्वास्थ्य को (B) भाग्य को

(C) पुरुषार्थ को (D) धन-समृद्धि को

(ग) 'आजादी' कविता में कवि का 'आजादी' से आशय है

(A) काम न करना

(B) मनमानी करना

(C) गैर-जिम्मेदारीपूर्ण काम करना और फल की आशा करना

(D) कर्म करना और परिश्रमिक का उचित फल प्राप्त करना

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के रचनाकार हैं

(A) नागार्जुन (B) जयशंकर प्रसाद

(C) निर्मला पुतुल (D) मैथिलीशरण गुप्त

(ङ) 'इसे जगाओ' कविता में किसे जगाने के लिए कहा गया है?

(A) सच से बेखबर को (B) सपने देखने वाले को

(C) थककर सोने वाले को (D) बैठे-बैठे ऊँघने वाले को

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×6=6

(क) 'आह्वान' कविता में तैल और दीप किनके प्रतीक हैं?

(ख) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने अलसी की उपमा किससे दी है?

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में प्रकृति के प्रति किन कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दिलाया गया है?

(घ) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?

(ङ) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने सफलता से अधिक महत्त्व किन बातों को दिया है?

(च) कबीरदास द्वारा रचित दोहे के आधार पर लिखिए कि आदमी की पहचान कैसे होती है।

StudentSuvidha.com downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

3. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग *50* शब्दों में लिखिए : 3

'इसे जगाओ' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है और किनके माध्यम से?

अथवा

'आजादी' कविता में कवि ने कर्त्तव्य और अधिकार को कैसे जोड़ा है? उदाहरण सहित लिखिए।

4. निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 5

अंबर-पनघट में डुबो रही
तारा-घट ऊषा-नागरी,
खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा।

अथवा

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *25-25* शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(क) कबीरदास ने गुरु-शिष्य के संबंध को किस उदाहरण के माध्यम से समझाया है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'आजादी' कविता में ज्ञान, कर्म और त्याग को अधिक महत्त्व क्यों दिया गया है? इनसे आजादी का क्या संबंध है?

(ग) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुले को किसका प्रतीक माना गया है और उसके माध्यम से किन व्यक्तियों पर कटाक्ष किया गया है?

(घ) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने किन लोगों के प्रति आदर भाव प्रकट किया है?

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1+2+2=5

हम कह सकते हैं कि अदम्य साहस और आत्मविश्वास के बल पर भारतीय महिलाओं ने पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। बहुत साधनों के न होते हुए भी उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों के सामने कभी घुटने नहीं टेके। उन्होंने सिद्ध कर दिखाया कि अगर व्यक्ति में आत्मविश्वास, लगन, साहस और दृढ़ इच्छा-शक्ति हो तो अभाव या अन्य कोई भी कठिनाई उनका रास्ता नहीं रोक सकती।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) कठिनाइयों में भी भारतीय महिलाओं ने दुनिया में पहचान कैसे बनाई?

(ग) मार्ग की बाधाएँ रास्ता कब नहीं रोकतीं?

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अथवा

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है, आहार-निद्रा आदि पशुसुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं, जैसे अन्य प्राणियों के। लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है। उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है। ये मनुष्य के स्वयं उद्‌भावित बंधन हैं। इसीलिए मनुष्य झगड़े-टन्टे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है एवं वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत आचरण मानता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) किन बातों से मनुष्य पशु से भिन्न माना गया है?

(ग) मनुष्य की दृष्टि में कौन-से आचरण गलत माने गए हैं?

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×6=6

(क) 'राबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ से प्रेरणा मिलती है

(A) निःस्वार्थ भाव से काम में लगे रहने की
(B) लोगों के प्रति अपनापन दिखाने की
(C) रोगियों की सेवा करने की
(D) रचनात्मक कार्य करने की

(ख) 'इलेक्ट्रॉनिक अखबारों' को किसके माध्यम से पढ़ा जा सकता है?

(A) रेडियो के
(B) टेलीविजन के
(C) कंप्यूटर के
(D) अख़बारी कागज के

(ग) सुखी राजकुमार मूर्ति बन जाने पर

(A) दुख के बारे में नहीं सोचता
(B) दूसरों के दुख से दुखी होता
(C) सहानुभूति से दूर रहता
(D) अपने अतीत में डूबा रहता

(घ) 'अंधेर नगरी' एक

(A) व्यंग्य नाटक है
(B) ललित निबंध है
(C) हास्य कथा है
(D) कुशासन पर संकेत है

(ङ) एड्स रोगी के प्रति समाज को

(A) दूरी बनाकर रहना चाहिए
(B) घृणा करनी चाहिए
(C) प्रेम और सहानुभूति का भाव रखना चाहिए
(D) पराया समझना चाहिए

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(च) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार

(A) नाखून हमारी शोभा है

(B) नाखून हमारी पशुता की निशानी है

(C) नाखून बढ़ाना अच्छा है

(D) नाखून हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×7=7

(क) 'बहादुर' कहानी में किशोर का बहादुर के प्रति कैसा व्यवहार था? क्यों?

(ख) 'गिल्लू' पाठ के आधार पर बताइए कि पशु-पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए।

(ग) अखबारों में छपने वाले विज्ञापनों की भाषा के क्या गुण होते हैं?

(घ) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ में बचेन्द्री पाल के सामने क्या समस्या थी और उसने उसका क्या हल निकाला?

(ङ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रेमचंद ने क्या संदेश दिया है?

(च) 'निबंध कैसे लिखें' पाठ के आधार पर बताइए कि विचारात्मक निबंधों में किसकी प्रधानता होती है और इनकी दृष्टि कैसी होती है।

(छ) 'अपना पराया' पाठ के आधार पर चेतन और जड़ वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग *20-20* शब्दों में लिखिए : 2×4=8

(क) 'बहादुर' कहानी लिखने का लेखक का क्या उद्देश्य है? कहानी से समाज को क्या संदेश मिलता है?

(ख) बीमारी से ग्रस्त दयनीय जीवन जीने वालों को वास्तविक मनुष्य बनाने का काम करने वाली कौन थी? 'रॉबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ के आधार पर लिखिए। लेखक ने उन्हें 'जादू की पुड़िया' क्यों कहा है?

(ग) अंतरिक्ष में जाने का कल्पना चावला का संकल्प किन कठिनाइयों का सामना करने के बाद पूरा हुआ? 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ के आधार पर विस्तार से लिखिए।

(घ) 'अपना पराया' पाठ के आधार पर लिखिए कि प्रतिपिंड किसे कहते हैं। इनका निर्माण किसके द्वारा होता है?

(ङ) 'शतरंज के खिलाड़ी' पाठ के आधार पर मीर रौशन अली के चरित्र की दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *40-50* शब्दों में लिखिए : 3×3=9

(क) ''करुणा और समानुभूति के माध्यम से हम दूसरों को भी अपना बना सकते हैं।'' 'गिल्लू' कहानी के संदर्भ में इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) संपादकीय किसे कहते हैं? इसे समाचार-पत्र का महत्त्वपूर्ण अंग क्यों माना गया है?

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक के आधार पर महंत (गुरु) के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आप इनको क्यों अपनाना चाहेंगे।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी से ली गई पंक्ति ''यह टूटा हुआ जस्ते का दिल भट्टी में पिघल नहीं रहा है''—के संदर्भ में लिखिए कि राजकुमार का दिल भट्टी में पिघल क्यों नहीं रहा था।

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं,
न चंद्रमा की ठंडक में
लेकिन हवा और पानी में जरूर कुछ ऐसा हुआ है
कि दुनिया में
करुणा की कमी पड़ गई है
इतनी कम पड़ गई है करुणा कि बर्फ़ पिघल नहीं रही।
नदियाँ बह नहीं रहीं, झरने झर नहीं रहे
चिड़ियाँ गा नहीं रहीं, गायें रँभा नहीं रहीं
कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं
कि आदमी उसमें अपना चेहरा देख सके
और उसमें तैरते बादल के टुकड़े से धो-पोंछ सके
दरअसल पानी से होकर देखो
तभी दुनिया पानीदार रहती है
उसमें पानी के गुण समा जाते हैं
वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है
पता नहीं।
आने वाले लोगों को दुनिया कैसी चाहिए
कैसी हवा कैसा पानी चाहिए
पर इतना तो तय है
कि इस समय दुनिया को
ढेर सारी करुणा चाहिए।

(क) कविता में किस विषय से संबंधित चर्चा की गई है?

(ख) करुणा की कमी में क्या कारण बताया गया है?

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ग) कवि को किन रूपों में करुणा की कमी दिखाई पड़ रही है?

(घ) ''वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है'' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भविष्य के प्रति कवि ने क्या आशंका व्यक्त की है?

12. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

विश्व का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं जिसने राष्ट्र की बलिवेदी पर शहीद हो जाने वाली वीर सन्तानों को जन्म न दिया हो। भारतवर्ष में तो शहीदों की एक दीर्घ शृंखला तथा गौरवशालिनी परंपरा है। अस्थियुगीन महर्षि दधीचि से लेकर आधुनिक युग के महात्मा गांधी तक भारतमाता की ऐसी अनेक संतानें जन्म ले चुकी हैं जिन्होंने मातृभूमि की बलिवेदी पर हँसते-हँसते सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब भी विदेशी आक्रांताओं ने भारत माँ का सुख-चैन छीन लेना चाहा, आत्मत्यागी देशभक्त संतानों ने देशप्रेम के अनूठे आदर्श प्रस्तुत किए। अंग्रेजों के चंगुल में कराहती मातृभूमि की मुक्ति हेतु बलि होने वाली महारानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खाँ, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाष आदि वीर संतानों के लहू की चमक आज भी इतिहास के पृष्ठों को आलोकित कर रही है। स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, गुरुदेव रवीन्द्र, लोकदेव नेहरू, जननायक जय प्रकाश, महर्षि अरविन्द जैसी महान आत्माओं ने आजीवन साधनारत रहकर सांस्कृतिक नवजागरण तथा राजनीतिक मुक्ति आन्दोलन द्वारा मातृ-सुख की आभा द्विगुणित की। वर्तमान सार्वभौम सत्तायुक्त लोकतंत्र भारत ऐसी ही कृति संतानों की देन है।

(क) गद्यांश में किस प्रकार के व्यक्तियों का उल्लेख किया गया है?

(ख) महर्षि दधीचि का नाम किस संदर्भ में और क्यों प्रसिद्ध है?

(ग) अंग्रेजों की पराधीनता से मुक्ति के लिए किन भारतीयों के नाम उल्लेखनीय हैं?

(घ) सांस्कृतिक नवजागरण में किन भारतीय महापुरुषों का योगदान रहा है?

(ङ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

13. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसी **एक** समस्तपद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

आजीवन; कमलनयन।

(ख) सन्धि-विच्छेद कीजिए :

पुस्तकालय; परोपकार।

(ग) 'निर्' और 'कु' उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए।

(घ) 'पन' और 'ई' प्रत्यय से एक-एक शब्द बनाइए।

(ङ) सरल वाक्य में बदलिए :

जिसने माँ-बाप की सेवा की वह दुखी नहीं हो सकता

(च) रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए :

वे देश की सेवा करते हैं और यश पाते हैं।

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(छ) निम्नलिखित वाक्य में क्रिया-विशेषण छाँटकर लिखिए :

तुम्हारे नजदीक कौन रहता है?

(ज) किसी **एक** शब्द के *दो* पर्यायवाची लिखिए :

अमृत; सागर।

(झ) किसी **एक** मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

सफेद झूठ बोलना; नाकों चने चबाना।

(ञ) वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए :

कृपया आप यहाँ से जाने की कृपा करें।

14. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : 5

जीवन एक संग्राम है। इसमें पग-पग पर संघर्षों का सामना करना पड़ता है। कभी हमें जय, सफलता, सुख आदि की प्राप्ति होती है तो कभी पराजय, असफलता, दुख आदि का सामना करना पड़ता है। सफल जीवन के लिए मनुष्य को केवल दो साधन प्राप्त हैं—स्वावलंबन और समाज द्वारा संचित धन। स्वावलंबन उनकी निजी संपत्ति है और उनके व्यक्तित्व से संबंध रखती है। समाज द्वारा संचित धन में पूर्वजों द्वारा अर्जित शान तथा सभी पैतृक चल-अचल संपत्ति आ जाती है। इस सम्पत्ति से स्वावलंबन का अधिक महत्त्व है। जीवन-निर्माण, उन्नति, उत्थान, प्रगति, सफलता, विजय, सिद्धि का एकमात्र साधन स्वावलंबन ही है। यह मनुष्य का भूषण है। दूसरे शब्दों में, हमारे जीवन का निर्माता तथा हमारा भाग्य-विधाता स्वावलंबन है।

15. रेल-यात्रा करते समय टिकट-निरीक्षक द्वारा, आपके और आपके परिवार के साथ किए गए सद्भावनापूर्ण व्यवहार के लिए आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय रेल प्रबंधक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को समय-नियोजन करके पढ़ाई की ओर ध्यान देने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) जब क्रिकेट मैच में हम चार रनों से पिछड़ रहे थे

(ख) मैं हिन्दी क्यों पढ़ूँ

(ग) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(घ) किसी प्रदर्शनी का वर्णन

★★★

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No. / अनुक्रमांक

Code No. / कोड नं. **65/OS/1**

Set / सेट **B**

हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination (परीक्षा का दिन व दिनांक) ....

Signature of Invigilators (निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ....

2. ....

downloaded from StudentSuvidha.com

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
5. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा।
6. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/OS/1, सेट B लिखें।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

हिन्दी
(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×5=5

(क) 'आजादी' कविता में कवि का 'आजादी' से आशय है

(A) काम न करना

(B) मनमानी करना

(C) गैर-जिम्मेदारीपूर्ण काम करना और फल की आशा करना

(D) कर्म करना और पारिश्रमिक का उचित फल प्राप्त करना

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के रचनाकार हैं

(A) नागार्जुन (B) जयशंकर प्रसाद

(C) निर्मला पुतुल (D) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) 'आह्वान' कविता में जीवन में सफलता पाने के लिए किसे आवश्यक माना गया है?

(A) स्वास्थ्य को (B) भाग्य को

(C) पुरुषार्थ को (D) धन-समृद्धि को

(घ) कबीरदास के अनुसार आलोचकों से

(A) मित्रता बढ़ती है (B) अपने अवगुण का ज्ञान होता है

(C) अच्छाइयों का पता चलता है (D) शत्रुता हो जाती है

(ङ) 'इसे जगाओ' कविता में किसे जगाने के लिए कहा गया है?

(A) सच से बेखबर को (B) सपने देखने वाले को

(C) थककर सोने वाले को (D) बैठे-बैठे ऊँघने वाले को

2. निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 5

अंबर-पनघट में डुबो रही
तारा-घट ऊषा-नागरी,
खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा।

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अथवा

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1+2+2=5

हम कह सकते हैं कि अदम्य साहस और आत्मविश्वास के बल पर भारतीय महिलाओं ने पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। बहुत साधनों के न होते हुए भी उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों के सामने कभी घुटने नहीं टेके। उन्होंने सिद्ध कर दिखाया कि अगर व्यक्ति में आत्मविश्वास, लगन, साहस और दृढ़ इच्छा-शक्ति हो तो अभाव या अन्य कोई भी कठिनाई उनका रास्ता नहीं रोक सकती।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) कठिनाइयों में भी भारतीय महिलाओं ने दुनिया में पहचान कैसे बनाई?

(ग) मार्ग की बाधाएँ रास्ता कब नहीं रोकतीं?

अथवा

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है, आहार-निद्रा आदि पशुसुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं, जैसे अन्य प्राणियों के। लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है। उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है। ये मनुष्य के स्वयं उद्भावित बंधन हैं। इसीलिए मनुष्य झगड़े-टन्टे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है एवं वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत आचरण मानता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) किन बातों से मनुष्य पशु से भिन्न माना गया है?

(ग) मनुष्य की दृष्टि में कौन-से आचरण गलत माने गए हैं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *25-25* शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(क) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुले को किसका प्रतीक माना गया है और उसके माध्यम से किन व्यक्तियों पर कटाक्ष किया गया है?

(ख) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने किन लोगों के प्रति आदर भाव प्रकट किया है?

(ग) कबीरदास ने गुरु-शिष्य के संबंध को किस उदाहरण के माध्यम से समझाया है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आजादी' कविता में ज्ञान, कर्म और त्याग को अधिक महत्त्व क्यों दिया गया है? इनसे आजादी का क्या संबंध है?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×6=6

(क) 'आह्वान' कविता में तैल और दीप किनके प्रतीक हैं?

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में प्रकृति के प्रति किन कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दिलाया गया है?

StudentSuvidha.com downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ग) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने अलसी की उपमा किससे दी है?

(घ) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?

(ङ) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने सफलता से अधिक महत्त्व किन बातों को दिया है?

(च) कबीरदास द्वारा रचित दोहे के आधार पर लिखिए कि आदमी की पहचान कैसे होती है।

6. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग *50* शब्दों में लिखिए : 3

'इसे जगाओ' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है और किनके माध्यम से?

अथवा

'आजादी' कविता में कवि ने कर्त्तव्य और अधिकार को कैसे जोड़ा है? उदाहरण सहित लिखिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×6=6

(क) 'राबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ से प्रेरणा मिलती है

(A) निःस्वार्थ भाव से काम में लगे रहने की
(B) लोगों के प्रति अपनापन दिखाने की
(C) रोगियों की सेवा करने की
(D) रचनात्मक कार्य करने की

(ख) 'इलेक्ट्रॉनिक अखबारों' को किसके माध्यम से पढ़ा जा सकता है?

(A) रेडियो के
(B) टेलीविजन के
(C) कंप्यूटर के
(D) अख़बारी कागज के

(ग) सुखी राजकुमार मूर्ति बन जाने पर

(A) दुख के बारे में नहीं सोचता
(B) दूसरों के दुख से दुखी होता
(C) सहानुभूति से दूर रहता
(D) अपने अतीत में डूबा रहता

(घ) 'अंधेर नगरी' एक

(A) व्यंग्य नाटक है
(B) ललित निबंध है
(C) हास्य कथा है
(D) कुशासन पर संकेत है

(ङ) एड्स रोगी के प्रति समाज को

(A) दूरी बनाकर रहना चाहिए
(B) घृणा करनी चाहिए
(C) प्रेम और सहानुभूति का भाव रखना चाहिए
(D) पराया समझना चाहिए

StudentSuvidha.com
Download from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(च) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार

(A) नाखून हमारी शोभा है

(B) नाखून हमारी पशुता की निशानी है

(C) नाखून बढ़ाना अच्छा है

(D) नाखून हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×7=7

(क) 'निबंध कैसे लिखें' पाठ के आधार पर बताइए कि विचारात्मक निबंधों में किसकी प्रधानता होती है और इनकी दृष्टि कैसी होती है।

(ख) 'अपना पराया' पाठ के आधार पर चेतन और जड़ वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रेमचंद ने क्या संदेश दिया है?

(घ) 'बहादुर' कहानी में किशोर का बहादुर के प्रति कैसा व्यवहार था? क्यों?

(ङ) 'गिल्लू' पाठ के आधार पर बताइए कि पशु-पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए।

(च) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ में बचेन्द्री पाल के सामने क्या समस्या थी और उसने उसका क्या हल निकाला?

(छ) अखबारों में छपने वाले विज्ञापनों की भाषा के क्या गुण होते हैं?

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग *20-20* शब्दों में लिखिए : 2×4=8

(क) 'बहादुर' कहानी लिखने का लेखक का क्या उद्देश्य है? कहानी से समाज को क्या संदेश मिलता है?

(ख) बीमारी से ग्रस्त दयनीय जीवन जीने वालों को वास्तविक मनुष्य बनाने का काम करने वाली कौन थी? 'राबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ के आधार पर लिखिए। लेखक ने उन्हें 'जादू की पुड़िया' क्यों कहा है?

(ग) अंतरिक्ष में जाने का कल्पना चावला का संकल्प किन कठिनाइयों का सामना करने के बाद पूरा हुआ? 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ के आधार पर विस्तार से लिखिए।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी के आधार पर लिखिए कि राजकुमार में मानवीय संवेदनाएँ कब उभरने लगीं और क्यों।

(ङ) अखबारों में फोटो क्यों प्रकाशित होते हैं? उनका क्या महत्त्व है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *40-50* शब्दों में लिखिए : 3×3=9

(क) मीर और मिरजा की मित्रता के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों का उल्लेख 'शतरंज के खिलाड़ी' पाठ के आधार पर कीजिए।

(ख) नाखून काटने की प्रवृत्ति उचित क्यों है? समझाइए।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक के आधार पर महंत (गुरु) के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आप इनको क्यों अपनाना चाहेंगे।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी से ली गई पंक्ति ''यह टूटा हुआ जस्ते का दिल भट्टी में पिघल नहीं रहा है''—के संदर्भ में लिखिए कि राजकुमार का दिल भट्टी में पिघल क्यों नहीं रहा था।

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

विश्व का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं जिसने राष्ट्र की बलिवेदी पर शहीद हो जाने वाली वीर सन्तानों को जन्म न दिया हो। भारतवर्ष में तो शहीदों की एक दीर्घ शृंखला तथा गौरवशालिनी परंपरा है। अस्थियुगीन महर्षि दधीचि से लेकर आधुनिक युग के महात्मा गांधी तक भारतमाता की ऐसी अनेक संतानें जन्म ले चुकी हैं जिन्होंने मातृभूमि की बलिवेदी पर हँसते-हँसते सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब भी विदेशी आक्रांताओं ने भारत माँ का सुख-चैन छीन लेना चाहा, आत्मत्यागी देशभक्त संतानों ने देशप्रेम के अनूठे आदर्श प्रस्तुत किए। अंग्रेजों के चंगुल में कराहती मातृभूमि की मुक्ति हेतु बलि होने वाली महारानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खाँ, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाष आदि वीर संतानों के लहू की चमक आज भी इतिहास के पृष्ठों को आलोकित कर रही है। स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, गुरुदेव रवीन्द्र, लोकदेव नेहरू, जननायक जय प्रकाश, महर्षि अरविन्द जैसी महान आत्माओं ने आजीवन साधनारत रहकर सांस्कृतिक नवजागरण तथा राजनीतिक मुक्ति आन्दोलन द्वारा मातृ-सुख की आभा द्विगुणित की। वर्तमान सार्वभौम सत्तायुक्त लोकतंत्र भारत ऐसी ही कृति संतानों की देन है।

(क) गद्यांश में किस प्रकार के व्यक्तियों का उल्लेख किया गया है?

(ख) महर्षि दधीचि का नाम किस संदर्भ में और क्यों प्रसिद्ध है?

(ग) अंग्रेजों की पराधीनता से मुक्ति के लिए किन भारतीयों के नाम उल्लेखनीय हैं?

(घ) सांस्कृतिक नवजागरण में किन भारतीय महापुरुषों का योगदान रहा है?

(ङ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं,
न चंद्रमा की ठंडक में
लेकिन हवा और पानी में जरूर कुछ ऐसा हुआ है
कि दुनिया में
करुणा की कमी पड़ गई है
इतनी कम पड़ गई है करुणा कि बर्फ़ पिघल नहीं रही।
नदियाँ बह नहीं रहीं, झरने झर नहीं रहे
चिड़ियाँ गा नहीं रहीं, गायें रँभा नहीं रहीं

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं
कि आदमी उसमें अपना चेहरा देख सके
और उसमें तैरते बादल के टुकड़े से धो-पोंछ सके
दरअसल पानी से होकर देखो
तभी दुनिया पानीदार रहती है
उसमें पानी के गुण समा जाते हैं
वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है
पता नहीं।
आने वाले लोगों को दुनिया कैसी चाहिए
कैसी हवा कैसा पानी चाहिए
पर इतना तो तय है
कि इस समय दुनिया को
ढेर सारी करुणा चाहिए।

(क) कविता में किस विषय से संबंधित चर्चा की गई है?

(ख) करुणा की कमी में क्या कारण बताया गया है?

(ग) कवि को किन रूपों में करुणा की कमी दिखाई पड़ रही है?

(घ) ''वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है'' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भविष्य के प्रति कवि ने क्या आशंका व्यक्त की है?

13. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : 5

जीवन एक संग्राम है। इसमें पग-पग पर संघर्षों का सामना करना पड़ता है। कभी हमें जय, सफलता, सुख आदि की प्राप्ति होती है तो कभी पराजय, असफलता, दुख आदि का सामना करना पड़ता है। सफल जीवन के लिए मनुष्य को केवल दो साधन प्राप्त हैं—स्वावलंबन और समाज द्वारा संचित धन। स्वावलंबन उनकी निजी संपत्ति है और उनके व्यक्तित्व से संबंध रखती है। समाज द्वारा संचित धन में पूर्वजों द्वारा अर्जित शान तथा सभी पैतृक चल-अचल संपत्ति आ जाती है। इस सम्पत्ति से स्वावलंबन का अधिक महत्त्व है। जीवन-निर्माण, उन्नति, उत्थान, प्रगति, सफलता, विजय, सिद्धि का एकमात्र साधन स्वावलंबन ही है। यह मनुष्य का भूषण है। दूसरे शब्दों में, हमारे जीवन का निर्माता तथा हमारा भाग्य-विधाता स्वावलंबन है।

14. रेल-यात्रा करते समय टिकट-निरीक्षक द्वारा, आपके और आपके परिवार के साथ किए गए सद्भावनापूर्ण व्यवहार के लिए आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय रेल प्रबंधक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को समय-नियोजन करके पढ़ाई की ओर ध्यान देने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु पत्र लिखिए।

StudentSuvidha.com downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) हिन्दी का प्रचार-प्रसार क्यों जरूरी

(ख) स्वास्थ्य और योगासन

(ग) श्रम से ही सफलता संभव

(घ) विज्ञान प्रदर्शनी का आँखों देखा वर्णन

16. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसी **एक** समस्तपद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

(i) माता-पिता

(ii) देशप्रेम

(ख) सन्धि-विच्छेद कीजिए :

विद्यालय; चंद्रोदय।

(ग) 'परा' तथा 'अनु' उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए।

(घ) संयुक्त वाक्य में बदलिए :

वह यहाँ आकर चला गया।

(ङ) रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए :

जो मेहनती हैं वे सफल होते हैं।

(च) 'त्व' और 'आलु' प्रत्यय से एक-एक शब्द बनाइए।

(छ) निम्नलिखित व्याख्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

(i) जिसके बिना काम न चल सके

(ii) जो पहले कभी न हुआ हो

(ज) किसी **एक** मुहावरे का वाक्य-प्रयोग कीजिए :

दाँतों तले उँगली दबाना; कान का कच्चा होना।

(झ) वाह कितना सुंदर दृश्य है (यथा स्थान उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए)

(ञ) वाक्य को शुद्ध करके लिखिए :

आप ने यह क्या करा?

★★★

StudentSuvidha.com downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं.
65/OS/1

Set / सेट C

हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators 1. ....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ....

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
5. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा।
6. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/OS/1, सेट C लिखें।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

हिन्दी
(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×5=5

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के रचनाकार हैं

(A) नागार्जुन (B) जयशंकर प्रसाद

(C) निर्मला पुतुल (D) मैथिलीशरण गुप्त

(ख) 'आह्वान' कविता में जीवन में सफलता पाने के लिए किसे आवश्यक माना गया है?

(A) स्वास्थ्य को (B) भाग्य को

(C) पुरुषार्थ को (D) धन-समृद्धि को

(ग) 'आजादी' कविता में कवि का 'आजादी' से आशय है

(A) काम न करना

(B) मनमानी करना

(C) गैर-जिम्मेदारीपूर्ण काम करना और फल की आशा करना

(D) कर्म करना और पारिश्रमिक का उचित फल प्राप्त करना

(घ) कबीरदास के अनुसार आलोचकों से

(A) मित्रता बढ़ती है (B) अपने अवगुण का ज्ञान होता है

(C) अच्छाइयों का पता चलता है (D) शत्रुता हो जाती है

(ङ) 'इसे जगाओ' कविता में किसे जगाने के लिए कहा गया है?

(A) सच से बेखबर को (B) सपने देखने वाले को

(C) थककर सोने वाले को (D) बैठे-बैठे ऊँघने वाले को

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग *50* शब्दों में लिखिए : 3

'इसे जगाओ' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है और किनके माध्यम से?

अथवा

'आजादी' कविता में कवि ने कर्त्तव्य और अधिकार को कैसे जोड़ा है? उदाहरण सहित लिखिए।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

3. निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 5

अंबर-पनघट में डुबो रही
तारा-घट ऊषा-नागरी,
खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा।

अथवा

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *25-25* शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(क) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुले को किसका प्रतीक माना गया है और उसके माध्यम से किन व्यक्तियों पर कटाक्ष किया गया है?

(ख) 'आजादी' कविता में ज्ञान, कर्म और त्याग को अधिक महत्त्व क्यों दिया गया है? इनसे आजादी का क्या संबंध है?

(ग) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने किन लोगों के प्रति आदर भाव प्रकट किया है?

(घ) कबीरदास ने गुरु-शिष्य के संबंध को किस उदाहरण के माध्यम से समझाया है? स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×6=6

(क) 'आह्वान' कविता में तेल और दीप किनके प्रतीक हैं?

(ख) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने अलसी की उपमा किससे दी है?

(ग) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में प्रकृति के प्रति किन कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दिलाया गया है?

(ङ) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने सफलता से अधिक महत्त्व किन बातों को दिया है?

(च) कबीरदास द्वारा रचित दोहे के आधार पर लिखिए कि आदमी की पहचान कैसे होती है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×6=6

(क) 'राबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ से प्रेरणा मिलती है

(A) निःस्वार्थ भाव से काम में लगे रहने की (B) लोगों के प्रति अपनापन दिखाने की
(C) रोगियों की सेवा करने की (D) रचनात्मक कार्य करने की

Downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ख) 'इलेक्ट्रॉनिक अखबारों' को किसके माध्यम से पढ़ा जा सकता है?

(A) रेडियो के
(B) टेलीविजन के
(C) कंप्यूटर के
(D) अख़बारी कागज के

(ग) सुखी राजकुमार मूर्ति बन जाने पर

(A) दुख के बारे में नहीं सोचता
(B) दूसरों के दुख से दुखी होता
(C) सहानुभूति से दूर रहता
(D) अपने अतीत में डूबा रहता

(घ) 'अंधेर नगरी' एक

(A) व्यंग्य नाटक है
(B) ललित निबंध है
(C) हास्य कथा है
(D) कुशासन पर संकेत है

(ङ) एड्स रोगी के प्रति समाज को

(A) दूरी बनाकर रहना चाहिए
(B) घृणा करनी चाहिए
(C) प्रेम और सहानुभूति का भाव रखना चाहिए
(D) पराया समझना चाहिए

(च) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार

(A) नाखून हमारी शोभा है
(B) नाखून हमारी पशुता की निशानी है
(C) नाखून बढ़ाना अच्छा है
(D) नाखून हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1+2+2=5

हम कह सकते हैं कि अदम्य साहस और आत्मविश्वास के बल पर भारतीय महिलाओं ने पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। बहुत साधनों के न होते हुए भी उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों के सामने कभी घुटने नहीं टेके। उन्होंने सिद्ध कर दिखाया कि अगर व्यक्ति में आत्मविश्वास, लगन, साहस और दृढ़ इच्छा-शक्ति हो तो अभाव या अन्य कोई भी कठिनाई उनका रास्ता नहीं रोक सकती।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) कठिनाइयों में भी भारतीय महिलाओं ने दुनिया में पहचान कैसे बनाई?

(ग) मार्ग की बाधाएँ रास्ता कब नहीं रोकतीं?

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

अथवा

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है, आहार-निद्रा आदि पशुसुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं, जैसे अन्य प्राणियों के। लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है। उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है। ये मनुष्य के स्वयं उद्भावित बंधन हैं। इसीलिए मनुष्य झगड़े-टन्टे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है एवं वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत आचरण मानता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) किन बातों से मनुष्य पशु से भिन्न माना गया है?

(ग) मनुष्य की दृष्टि में कौन-से आचरण गलत माने गए हैं?

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर *15-20* शब्दों में लिखिए : 1×7=7

(क) 'बहादुर' कहानी में किशोर का बहादुर के प्रति कैसा व्यवहार था? क्यों?

(ख) 'गिल्लू' पाठ के आधार पर बताइए कि पशु-पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए।

(ग) अखबारों में छपने वाले विज्ञापनों की भाषा के क्या गुण होते हैं?

(घ) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ में बचेन्द्री पाल के सामने क्या समस्या थी और उसने उसका क्या हल निकाला?

(ङ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रेमचंद ने क्या संदेश दिया है?

(च) 'अपना पराया' पाठ के आधार पर चेतन और जड़ वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) 'निबंध कैसे लिखें' पाठ के आधार पर बताइए कि विचारात्मक निबंधों में किसकी प्रधानता होती है और इनकी दृष्टि कैसी होती है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग *20-20* शब्दों में लिखिए : 2×4=8

(क) 'बहादुर' कहानी लिखने का लेखक का क्या उद्देश्य है? कहानी से समाज को क्या संदेश मिलता है?

(ख) बीमारी से ग्रस्त दयनीय जीवन जीने वालों को वास्तविक मनुष्य बनाने का काम करने वाली कौन थी? 'राबर्ट नर्सिंग होम में' पाठ के आधार पर लिखिए। लेखक ने उन्हें 'जादू की पुड़िया' क्यों कहा है?

(ग) अंतरिक्ष में जाने का कल्पना चावला का संकल्प किन कठिनाइयों का सामना करने के बाद पूरा हुआ? 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ के आधार पर विस्तार से लिखिए।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी के आधार पर लिखिए कि गौरैया मिस्र देश जाने के अपने निश्चय को बदल देती है और राजकुमार के साथ रहने का फैसला क्यों करती है।

(ङ) 'अंधेर नगरी' पाठ में पाचन वाले ने किन-किन लोगों पर व्यंग्य किया है और क्यों?

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग *40-50* शब्दों में लिखिए : 3×3=9

(क) 'अखबार की दुनिया' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'साक्षात्कार' किसे कहते हैं और क्यों लिया जाता है।

(ख) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ के आधार पर कल्पना चावला की उन विशेषताओं को लिखिए जिनके कारण वह विश्व-विख्यात हो गई।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक के आधार पर महंत (गुरु) के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आप इनको क्यों अपनाना चाहेंगे।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी से ली गई पंक्ति ''यह टूटा हुआ जस्ते का दिल भट्टी में पिघल नहीं रहा है''—के संदर्भ में लिखिए कि राजकुमार का दिल भट्टी में पिघल क्यों नहीं रहा था।

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं,
न चंद्रमा की ठंडक में
लेकिन हवा और पानी में जरूर कुछ ऐसा हुआ है
कि दुनिया में
करुणा की कमी पड़ गई है
इतनी कम पड़ गई है करुणा कि बर्फ़ पिघल नहीं रही।
नदियाँ बह नहीं रहीं, झरने झर नहीं रहे
चिड़ियाँ गा नहीं रहीं, गाय रँभा नहीं रहीं
कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं
कि आदमी उसमें अपना चेहरा देख सके
और उसमें तैरते बादल के टुकड़े से धो-पोंछ सके
दरअसल पानी से होकर देखो
तभी दुनिया पानीदार रहती है
उसमें पानी के गुण समा जाते हैं
वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है
पता नहीं।
आने वाले लोगों को दुनिया कैसी चाहिए
कैसी हवा कैसा पानी चाहिए
पर इतना तो तय है
कि इस समय दुनिया को
ढेर सारी करुणा चाहिए।

(क) कविता में किस विषय से संबंधित चर्चा की गई है?

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ख) करुणा की कमी में क्या कारण बताया गया है?

(ग) कवि को किन रूपों में करुणा की कमी दिखाई पड़ रही है?

(घ) ''वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है'' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भविष्य के प्रति कवि ने क्या आशंका व्यक्त की है?

12. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

विश्व का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं जिसने राष्ट्र की बलिवेदी पर शहीद हो जाने वाली वीर सन्तानों को जन्म न दिया हो। भारतवर्ष में तो शहीदों की एक दीर्घ शृंखला तथा गौरवशालिनी परंपरा है। अस्थियुगीन महर्षि दधीचि से लेकर आधुनिक युग के महात्मा गांधी तक भारतमाता की ऐसी अनेक संतानें जन्म ले चुकी हैं जिन्होंने मातृभूमि की बलिवेदी पर हँसते-हँसते सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब भी विदेशी आक्रांताओं ने भारत माँ का सुख-चैन छीन लेना चाहा, आत्मत्यागी देशभक्त संतानों ने देशप्रेम के अनूठे आदर्श प्रस्तुत किए। अंग्रेजों के चंगुल में कराहती मातृभूमि की मुक्ति हेतु बलि होने वाली महारानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खाँ, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाष आदि वीर संतानों के लहू की चमक आज भी इतिहास के पृष्ठों को आलोकित कर रही है। स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, गुरुदेव रवीन्द्र, लोकदेव नेहरू, जननायक जय प्रकाश, महर्षि अरविन्द जैसी महान आत्माओं ने आजीवन साधनारत रहकर सांस्कृतिक नवजागरण तथा राजनीतिक मुक्ति आन्दोलन द्वारा मातृ-सुख की आभा द्विगुणित की। वर्तमान सार्वभौम सत्तायुक्त लोकतंत्र भारत ऐसी ही कृति संतानों की देन है।

(क) गद्यांश में किस प्रकार के व्यक्तियों का उल्लेख किया गया है?

(ख) महर्षि दधीचि का नाम किस संदर्भ में और क्यों प्रसिद्ध है?

(ग) अंग्रेजों की पराधीनता से मुक्ति के लिए किन भारतीयों के नाम उल्लेखनीय हैं?

(घ) सांस्कृतिक नवजागरण में किन भारतीय महापुरुषों का योगदान रहा है?

(ङ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : 5

जीवन एक संग्राम है। इसमें पग-पग पर संघर्षों का सामना करना पड़ता है। कभी हमें जय, सफलता, सुख आदि की प्राप्ति होती है तो कभी पराजय, असफलता, दुख आदि का सामना करना पड़ता है। सफल जीवन के लिए मनुष्य को केवल दो साधन प्राप्त हैं—स्वावलंबन और समाज द्वारा संचित धन। स्वावलंबन उनकी निजी संपत्ति है और उनके व्यक्तित्व से संबंध रखती है। समाज द्वारा संचित धन में पूर्वजों द्वारा अर्जित शान तथा सभी पैतृक चल-अचल संपत्ति आ जाती है। इस सम्पत्ति से स्वावलंबन का अधिक महत्त्व है। जीवन-निर्माण, उन्नति, उत्थान, प्रगति, सफलता, विजय, सिद्धि का एकमात्र साधन स्वावलंबन ही है। यह मनुष्य का भूषण है। दूसरे शब्दों में, हमारे जीवन का निर्माता तथा हमारा भाग्य-विधाता स्वावलंबन है।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

14. रेल-यात्रा करते समय टिकट-निरीक्षक द्वारा, आपके और आपके परिवार के साथ किए गए सद्भावनापूर्ण व्यवहार के लिए आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय रेल प्रबंधक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को समय-नियोजन करके पढ़ाई की ओर ध्यान देने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने हेतु पत्र लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) सबका साथ, सबका विकास

(ख) देश के प्रति अपनापन

(ग) मेरा प्रिय खेल

(घ) अनुशासन की आवश्यकता क्यों?

16. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसी **एक** समस्तपद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

आजन्म; रोगाणु।

(ख) सन्धि-विच्छेद कीजिए :

भारतेन्दु; यातायात।

(ग) 'प्रति' और 'उप' उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए।

(घ) 'ही' और 'ईय' प्रत्यय से एक-एक शब्द बनाइए।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

जो नष्ट होने वाला हो; जिसका कुछ अर्थ न हो।

(च) सरल वाक्य में बदलिए :

नदियों में बाढ़ आई और गाँव में पानी भर गया।

(छ) जो परिश्रम करेगा वही उत्तीर्ण होगा (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए)

(ज) **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :

इन्द्र **अथवा** मेघ।

(झ) किसी **एक** मुहावरे का वाक्य-प्रयोग कीजिए :

सिर पर कफन बाँधना; तूती बोलना।

(ञ) वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए :

एक गरम कप चाय ले आओ।

★★★

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com